

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भारतीय शिक्षा पर प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

❖ डॉ० सतीश चन्द (शोध निर्देशक)
❖ अर्चना भूकेश (पी-एच.डी. शोधार्थी)
शिक्षाशास्त्र
कु० मायावती राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

1. सारांश

प्राचीन काल से भारत की शिक्षा विश्व स्तर पर उच्च श्रेणी की रही है। इतिहास के साक्ष्य बताते हैं कि विश्व के विद्यार्थी भारत में विभिन्न विषयों की शिक्षा प्राप्त करने आते रहे हैं। आज भी हम तक्षशिला एवं नालन्दा विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों को शिक्षा के क्षेत्र में याद करते हैं, समय के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक भारत में शिक्षा सुधार हेतु अब तक तीन शिक्षा नीति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की स्थापना हुई। वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भारत में महत्वपूर्ण भूमिका है, इसका उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान देते हुए उन्हें समावेशी एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इस नीति का उद्देश्य स्कूल स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षा को प्रभावित करना है। इस नीति में वर्ष 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100 प्रतिशत ऋम् के साथ-साथ पूर्व विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य रचा गया है, और उच्च शिक्षा में सामान्य नामांकन अनुपात को 2035 तक 26.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का उद्देश्य रखा गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की जायेगी। नई नीति में 10+2 शिक्षा की संरचना के स्थान पर 5+3+3+4 शिक्षा की संरचना लागू की गई है। जिसमें बुनियादी चरण (5 वर्ष), प्रारम्भिक चरण (3 वर्ष), मध्य चरण (3 वर्ष), एवं माध्यमिक चरण (4 वर्ष) को सम्मिलित किया गया है।

2. प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में भारत प्राचीन काल से समृद्ध रहा है। भारत ने अपनी शिक्षा से भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों में ज्ञान का प्रकाश फैलाया है। प्राचीन काल में प्रसिद्ध रहे विश्वविद्यालय तक्षशिला, नालन्दा और विक्रमशिला का उल्लेख हमारे इतिहास में मिलता है जो विभिन्न विषयों की उच्च शिक्षा के आधार थे। समय के साथ-साथ शिक्षा का स्वरूप बल्लता रहा है सर्वप्रथम भारत में वैदिक शिक्षा का प्रचलन था उसके बाद बौद्ध शिक्षा उसके बाद मुस्लिम शिक्षा और उसके बाद ब्रिटिश शिक्षा भारत में रही। भारत की स्वतंत्रता के बाद आधुनिक भारतीय शिक्षा के प्रचार-प्रसार में कई शिक्षा आयोगां, समितियों एवं नितियों की स्थापना हुई। भारत में स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से पहले दो नीतियां और बनी प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 दूसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और अब नई शिक्षा नीति 2020 लागू है, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समावेशी, न्याय संगत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 5334 शिक्षा प्रणाली को लागू किया गया है। यह शिक्षा प्रणाली आयु के आधार पर छात्रों की शिक्षा को 4 चरणों में विभाजित करती है 5 साल की बुनियादी शिक्षा, 3 साल की प्रारम्भिक शिक्षा, 3 साल की मध्य शिक्षा और 4 साल की माध्यमिक शिक्षा संरचना में 3 से 8 साल तक, 8 से 11 साल तक, 11 से 14 साल तक एवं 14 से 18 साल तक के छात्रों को क्रमिक रूप से सम्मिलित किया गया है। नई शिक्षा नीति में समग्र शिक्षा, डिजिटल एकीकरण और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है। इस नीति में छात्रों को कई विषयों का अध्ययन करने की अनुमति होगी। समावेशी शिक्षा के अनुसार विकलांग छात्रों एवं सामान्य छात्रों को एक साथ पढ़ने एवं स्कूल की गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, नई शिक्षा नीति के अनुसार सम्भवतः पाँचवीं कक्षा और कम से कम आठवीं कक्षा तक शिक्षा का माध्यम

मातृभाषा/स्थानीय भाषा होगी। छठी कक्षा से व्यवसायिक शिक्षा का पाठ्यक्रम सम्मिलित किया जायेगा। 4 वर्षीय एकीकृत बी. एड. कार्यक्रम शुरू किया जायेगा ताकि शिक्षकों की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके। विभिन्न विषयों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की जायेगी।

3. अध्ययन का कथन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भारतीय शिक्षा पर प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

4. अध्ययन के उद्देश्य

- 4.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षा संरचना का अध्ययन करना।
- 4.2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षा संरचना एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की शिक्षा संरचना में अन्तर का अध्ययन करना।
- 4.3 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा के प्रावधान का अध्ययन करना।
- 4.4 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बुनियादी शिक्षा का अध्ययन करना।
- 4.5 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम का अध्ययन करना।
- 4.6 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित मूल्यों के कार्यों का अध्ययन करना।
- 4.7 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विकलांग बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करना।

5. अध्ययन विधि

यह अध्ययन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संबंधी अभिलेख, पुस्तकों, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय जर्नल, पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों के माध्यम से किया गया है।

6. अध्ययन का महत्व

यह अध्ययन विश्वसनीय साक्ष्यों के माध्यम से किया गया है जिसके निष्कर्ष छात्रों, लेखकों एवं अनुसन्धानकर्ताओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायेंगे। अध्ययनकर्ता इस अध्ययन में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने का प्रयास करेगा यह अध्ययन छात्रों एवं लेखकों को नवोन अध्ययन करने व जागरूक करने के लिए प्रेरित करेगा।

7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षा संरचना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षा संरचना 5334 के प्रारूप पर आधारित है जिसमें विद्यार्थी की शैक्षिक आयु को 4 चरणों में विभाजित किया गया है जो निम्नलिखित प्रकार से है—

प्रथम चरण— प्रथम चरण को बुनियादी चरण भी कहते हैं। इस चरण में 3 से 8 वर्ष की आयु के विद्यार्थी आते हैं जो कुल 5 वर्ष का होता है इन 5 वर्षों को भी दो भागों में विभाजित किया जाता है प्रथम तीन वर्ष की प्री-स्कूल शिक्षा और दो वर्ष में प्रथम कक्षा एवं दूसरी कक्षा।

दूसरा चरण— दूसरे चरण को प्रारंभिक चरण भी कहते हैं उसमें 8 से 11 वर्ष की आयु के विद्यार्थी आते हैं। उसमें 3 वर्ष की शिक्षा अर्थात् कक्षा 3, 4 एवं 5 को सम्मिलित किया जाता है।

तीसरा चरण— तीसरे चरण को मध्य चरण भी कहा जाता है इसमें 11 से 14 वर्ष की आयु के विद्यार्थी आते हैं अर्थात् 6, 7 एवं 8 को सम्मिलित किया जाता है।

चौथा चरण— चौथे चरण को माध्यमिक चरण भी कहते हैं उसमें 14 से 18 वर्ष की आयु के विद्यार्थी आते हैं अर्थात् इसमें कक्षा 9, 10, 11 एवं 12 को सम्मिलित किया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षा संरचना के अन्तर्गत 3 से 18 वर्ष की आयु के विद्यार्थी आते हैं इसमें कुल 15 वर्ष की शिक्षा होती है।

8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की शिक्षा संरचना में अन्तर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षा संरचना का प्रारूप 5334 है। जिसमें 3 वर्ष की आयु से 18 वर्ष के आयु के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाता है। उसके अन्तर्गत कक्षा 3 से लेकर कक्षा 12 तक 15 वर्ष की शिक्षा सम्मिलित की जाती है शिक्षा संरचना 4 चरणों में विभाजित होती है। प्रथम चरण (3 से 8 वर्ष), दूसरा चरण (8 से 11 वर्ष), तीसरा चरण (11 से 14 वर्ष) और चौथा चरण (14 से 18 वर्ष)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की शिक्षा संरचना का प्रारूप 1023 है। इस संरचना में शिक्षा को तीन चरणों में विभाजित किया गया था। प्रथम चरण दस वर्ष स्कूली शिक्षा कक्षा हाईस्कूल तक, दूसरा चरण दो वर्ष उच्च माध्यमिक शिक्षा, कक्षा 11 एवं कक्षा 12 तक और तीसरा चरण 3 वर्ष, तीन वर्ष की स्नातक की शिक्षा।

9. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा का प्रावधान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के अनुसार कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए। यदि सम्भव हो तो कक्षा आठ तक भी होनी चाहिए। त्रिभाषा सूत्र को अपनाया जायेगा जिसमें छात्रों को तीन भाषाएँ सीखनी होंगी, कम से कम दो भारतीय भाषाएँ एवं माध्यमिक स्तर पर विदेशी भाषा भी सिखाई जा सकती है।

10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बुनियादी शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बुनियादी शिक्षा में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पर अधिक बल दिया। 3 से 8 वर्ष की आयु के विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा दी जाती है। उसमें प्रथम 3 वर्ष की शिक्षा, 3 से 6 वर्ष की आयु तक की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (म्ब) सम्मिलित होगी। जो खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षा होगी। जिसका राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा एन.सी.ई.आर.टी. विकसित करेगी। इसके बाद कक्षा एक तथा कक्षा दो की शिक्षा होगी। बच्चों में भाषा और अंकगणित जैसे बुनियादी कौशलों को विकसित किया जायेगा।

11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम

प्रथम बुनियादी चरण में (3 वर्ष) की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (म्ब) तथा (2 वर्ष) की प्रारंभिक शिक्षा में गतिविधि, खेल, और खोज आधारित शिक्षा होगी।

दूसरे प्रारंभिक चरण (3 वर्ष) में खेल आधारित दृष्टिकोण का विस्तार करके विषय उन्मुख शिक्षण शुरू होगा।

तीसरे मध्य चरण (3 वर्ष) में प्रारंभिक चरण की शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या की जानकारी को रखा जायेगा और अधिक अमूर्त विचारों के अध्ययन के विषयों को सम्मिलित किया जायेगा।

चौथे माध्यमिक चरण (4 वर्ष) में बहुविषयों का अध्ययन किया जायेगा जो अधिक गहन और आलोचनात्मक सोच पर आधारित होंगे।

12. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित म्ब के कार्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (म्ब शिक्षा के क्षेत्र में अधिक स्पष्टता और गुणवत्ता लाने का प्रयास करेगा। यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र के लिए एक एकल नियामक निकाय होगा जो विनियमन, मान्यता, वित्तपोषण और अकादमिक मानकों को एक साथ देखेगा।

म्ब के चार अंग होंगे:

- ❖ राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नियामक परिषद (छम्ब)
- ❖ राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद ;छ।ब्द
- ❖ उच्च शिक्षा अनुदान परिषद ;म्बब्द
- ❖ सामान्य शिक्षा परिषद ;ळम्ब

म्ब का यह कार्य होगा उन संस्थानों को बन्द करना जो मानकों के अनुसार नहीं चल रहे हैं

13. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विकलांग बच्चों की शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए समावेशी शिक्षा पर बल दिया है। समावेशी शिक्षा में विकलांग और सामान्य विद्यार्थी एक साथ स्कूल में अध्ययन करेंगे जिसके लिए विशेष और सहायक उपकरणों का प्रयोग किया जायेगा। समावेशी शिक्षा के लिए विशेष शिक्षकों की भर्ती की जायेगी। विकलांग बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा को सुलभ बनाया जायेगा।

14. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भारतीय शिक्षा में उपयोगिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में उच्च स्तरीय परिवर्तन लाने वाली नीति है। इस नीति को भारत सरकार ने 29 जुलाई 2020 को घोषित किया था। इस नीति का उद्देश्य भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन करना है जिसमें विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक ही सीमित नहीं रखा जायेगा बल्कि उन्हें ऐसी शिक्षा उपलब्ध करायी जायेगी जिसके द्वारा विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल, रचनात्मकता, नैतिक मूल्य, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास हो सके।

राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की निम्नलिखित उपयोगिता होगी:-

- 14.1 शिक्षा का समग्र विकास- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के समग्र अर्थात् शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक एवं नैतिक विकास पर बल देती है। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना है न कि उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना है। विद्यार्थियों के समग्र विकास से उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है।
- 14.2 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावशाली शिक्षा उपलब्ध करायेगी। इसमें शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक, रोमक पूर्ण एवं विद्यार्थी-केन्द्रित बनाने पर अधिक जोर दिया गया है। जिससे शिक्षा में सुधार लाया जा सके।
- 14.3 नई शैक्षिक संरचना 5334 . राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की शैक्षिक संरचना 102 के स्थान पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की नवीन शैक्षिक संरचना 5334 को प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रारंभिक बालावस्था देखभाल एवं शिक्षा को अधिक महत्व दिया गया ताकि बच्चों की आयु और उनकी विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा प्रदान कराई जा सके।
- 14.4 मातृभाषा और स्थानीय भाषा पर बल- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा एवं स्थानीय भाषा को अधिक महत्व दिया गया है ताकि बच्चे विषय-वस्तु को आसानी से समझ सकें। और अपनी बात को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सकें। मातृभाषा और स्थानीय भाषा को महत्व देने से भारतीय भाषाओं और संस्कृति को संरक्षण प्राप्त होगा।
- 14.5 विद्यार्थियों में रटने की प्रवृत्ति में कमी- विद्यार्थियों में रटने की प्रवृत्ति को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उनमें समझ, तार्किक चिंतन, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता पर बल देती है, जिनका उपयोग व्यावहारिक जीवन में किया जा सकता है।
- 14.6 कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा पर बल-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को बहुत महत्व देती है। इनके आधार पर वे आसानी से भविष्य में रोजगार प्राप्त करके अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।
- 14.7 बहुविषय शिक्षा को महत्व-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विभिन्न विषयों के विभाजन को कम करने पर बल देती है जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता एवं आवश्यकता के अनुसार विषयों का चुनाव कर सकें।
- 14.8 तकनीकी एवं डिजिटल शिक्षा पर बल-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने वर्तमान में डिजिटल एवं तकनीकी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अधिक महत्व दिया है ताकि विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को अधिक लाभ मिल सके।
- 14.9 समान और समावेशी शिक्षा को महत्व-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सभी सामाजिक वर्गों को ध्यान में रखते हुए सभी को शिक्षा के समान अवसर को महत्व देती है। यह नीति सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों, दिव्यांग विद्यार्थियों तथा कमजोर वर्ग के लिए सुलभ और समावेशी शिक्षा देने पर बल देती है।
- 14.10 शिक्षक प्रशिक्षण एवं उनकी भूमिका-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षकों की शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए यह शिक्षक प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं उनकी क्षमताओं के विकास को अधिक महत्व देती है। शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रशिक्षित एवं योग्य शिक्षक विद्यार्थियों की अधिगम क्षमता में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

14.11 उच्च शिक्षा के सुधार पर बल—राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा के सुधार और उसे अधिक लचीला, बहुविषयक और शोध-उन्मुख बनाने पर अधिक बल देती है ताकि विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने और रोजगार प्राप्त करने में सफलता मिल सके।

14.12 रोजगार एवं आत्मनिर्भरता पर बल—राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा को रोजगार से जोड़ने पर बल देती है जिससे विद्यार्थियों में कौशल, व्यावसायिक योग्यता एवं आवश्यक क्षमताओं का विकास करके उन्हें आत्म-निर्भर एवं रोजगार योग्य बनाया जा सके।

15. सुझाव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों को समान अवसर देने पर विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। शिक्षकों को नियमित प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे आधुनिक शिक्षण-विधियों और डिजिटल तकनीक का प्रयोग करके शिक्षा में नवीनता ला सकें। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा और स्थानीय भाषा को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। विद्यालयों के लिए आधुनिक संसाधनों की विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि विद्यार्थी कम्प्यूटर, इंटरनेट और डिजिटल संसाधनों का प्रयोग करके अपने कौशल का विकास कर सकें। परीक्षा प्रणाली में रटने के स्थान पर रचनात्मक एवं समस्या समाधान क्षमता वाले प्रश्न दिए जाने चाहिए। वंचित, आर्थिक रूप से कमजोर, दिव्यांग एवं अन्य वंचित विद्यार्थियों के लिए अधिक समान अवसर सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता को अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विद्यालयों में खेल, कला, संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए और बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी का विकास किया जाना चाहिए। ग्रामीण विद्यार्थियों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

16. निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन करने के बाद यही निष्कर्ष निकलता है कि यदि नीति को सही तरह से लागू किया जाता है तो भारतीय शिक्षा में उच्च स्तरीय परिणाम प्राप्त होंगे। नीति में दी गयी बातों का ठीक से क्रियान्वयन किया जाता है तो हम शिक्षा के क्षेत्र में काफी परिवर्तन देख सकते हैं। यदि नीति से सम्बन्धित जुड़े लोग ईमानदारी एवं कठोरता से नीति को देश में लागू करते हैं तो अन्तराष्ट्रीय स्तर पर हम उच्च पहचान बनाने में सफल हो जायेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 3 से 18 वर्ष तक की आयु के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा देने का कार्य करती है और यही उम्र राष्ट्रीय निर्माण एवं विकास का आधार होती है। अतः यदि इस आयु के विद्यार्थियों को हम नीति के अनुसार शिक्षित करने में सफल होते हैं तो भविष्य में एक नवीन एवं विकसित भारत को देख सकते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. सिंह, बिरेंद्र एवं देवी, कुकन, उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि, *प्रज्ञा* श्रृंखला 2022ए टवसनउम 9ए पेनम 1
2. शर्मा, पो. एवं वर्मा, एस. (2021), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में अवसर एवं चुनौतियाँ, *प्रज्ञा* 9 ;7द्वए 1234.1240
3. कुमार, ए. एवं सिंह, आर. (2022), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कियान्वयन की चुनौतियाँ, *जर्नल ऑफ एजुकेशन एवं प्रैक्टिस*, 13 (8), 45–53
4. पटेल, एम. (2021), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक समालोचनात्मक अध्ययन *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एवं एनालिटिकल रिव्यूज* ;प्रज्ञाद्वए 8;3द्वए 201.207
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
6. राजस्थान पत्रिका, नागौर, 28 जनवरी 2020
7. मसौदा राष्ट्रीय नीति 2019
8. सिंह, दुर्गेश, कानिकल मासिक पत्रिका, मई 2020
9. योजना पत्रिका
10. जर्नल लेख एवं शोधपत्र
11. इंटरनेट